Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

(Prime Report)

ॐ गंग गणपतये नमः
Call: 08674827268

Kiara ID: 50011325 **Date:** 21/04/2020 **Validity :** 1 Month Only

नाम: Rudransh Kaushik	जन्म तिथि: 18/02/1998	जन्म समय: 15:45 hrs
जन्म स्थान: Baghpat (UP)	मांगलिक योग: Yes (20%)	इष्ट देव: Hanuman Ji

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Chandra	50%	Budh (अस्त)	Nill (10%)
2.	Guru (अस्त)	20%	Mangal	20%
3.			Surya	30%
4.			Shani	20%
5.			Shukra	20%
6.			Rahu (वं)	100%
			Ketu (वं)	100%

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): NA,
चन्द्र का मोती तथा गुरु का पुखराज अवश्य धारण करें। तभी Career Stable होगा। Job stability में आयेगी otherwise काफी obstacles रहेगा।

3. कुण्डली दोष: सूर्य ग्रहण योग, चन्द्र ग्रहण योग, चाण्डाल दोष।

4. शुभ दिन: Monday, Thursday.

5. शुभ रंग: सफेद & पीला रंग | अशुभ० (काला, नीला)

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. मोती (Pearl)	9+	Right	Little	चाँदी में सोमवार को शुक्लपक्ष में 8:15 AM पर धारण करें।
2. पुखराज (Yellow Sapphire)	6+	Right	Index	सोने, पीतल, ब्रॉन्ज में बृहस्पतिवार को शुक्लपक्ष में 8:15 AM पर धारण करें।
3.				

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):

पन्ना, मूँगा, माणिक, नीलम, पोपल, हीरा, जरकन, फिरोजा, गोमेद, लहसुनिया

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक़ **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

8. रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु) ✓ ✗ : गुरु : गुरु का पुखराज धारण करने से शरीर में रोग कम करने में मदद होगी।

9. रोग – विश्लेषण: (रोगों के कारक ग्रह)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थय - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली मे रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

सूर्य देव : हड्डिओं के रोग , हृदय रोग , आँखों सम्बन्धी रोग।

चन्द्रमा देव : मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया , फेफड़ो के रोग

मंगल देव : खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के रोग

बुध देव : त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।

Scanned with CamScanner

बृहस्पति देव : लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग।
शुक्र देव : गुप्तांग सम्बन्धी रोग, नपुंसकता।
शनि देव : शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी।
राहु देव : सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन, वहम।
केतु देव : रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग।

10. रोग कम करने के लिए दान : सूर्यदेव, शुक्रदेव, राहु तथा केतु, शनिदेव इन सभी ग्रहों के दशाओं के अनुसार दान करने से शरीर के रोगों को कम किया जाता है। दान व उपाय आगे report से follow करें।

Comments:

(1) हर चीज में अन्दर तक अध्ययन करना। (deep thinking)
(2) Health Problems काफी रहने का योग है।
(3) Piles related समस्या होगी (100%) in Ketu dasha, Shani dasha
(4) लम्बी चलने वाली बीमारिआँ जल्द होने की सम्भावना काफी है।
(5) पुखराज धारण करने से रोगों को कम करने में मदद मिलेगी।
(6) हर कामकाज में दिक्कत परेशानी रहेगी। Job लेने तथा Career settlement में काफी परेशानी रहेगी।
Study में कम मन लगेगा।
(7) Love life अच्छी नहीं रहेगी, Breakups होना स्वाभाविक है।
(8) After marriage, first child होने में देरी की सम्भावना तथा परेशानी हो सकती है। मंगल का दान करने से तथा हनुमान जी की पूजा करने से समस्या समाप्त होगी।

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

शनि की महादशा : 05/08/2011 to 05/08/2030 – खराब दशा (40%)

मानसिक परेशानी, overthinking ज्यादा रहेगी, भाग्य साथ नहीं देगा, फिजूल की मेहनत काफी होगी, छोटे मोटे रोग लगे रहेंगे। Depression में भी जा सकते हो।

Job में परेशानी रहेगी।

→ शनिदेव का पाठ पूजन व उपाय तथा दान नियमित रूप से हर शनिवार को अवश्य करें। (After Sunset).

शनि/शुक्र : 28/05/2018 to 26/07/2021 : खराब दशा (50%)

माता की health में गिरावट देखने को मिलेगी। तथा Job लेने में तथा promotion में काफी परेशानी रहेगी। Health Problems लगे रहेंगे।

→ शनि तथा शुक्र का दान अवश्य करें।

08/06/20 to 07/12/2020 :- समस्या बढ़ेगी [शनि तथा शुक्र के उपाय करें]

08/12/20 to 20/07/21 :- –[शनि, बुध तथा शुक्र के दान व उपाय करें।]

[21/07/21 to 26/07/21]:- ज्यादा खराब समय (100%)

→ [धन हानि, Accident, health बिगड़ेगी, hospital bills, खर्चा बढ़ेगा, परिवार में समस्या, माता को परेशानी होगी! मृत्यु तुल्य कष्ट हो सकते हैं।]

→ [शनि, शुक्र तथा केतु के दान, उपाय, मंत्रजाप नियमित रूप से follow करें तभी समस्याऐं कम होंगी]

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: **(रविवार को करना है)**	सूर्य देव को जल देना, तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ॐ सूर्याय नमः)**
मंगल देव के उपाय: **(मंगलवार को करना है)**	हनुमान जी को सिन्दूर चढ़ाना , हनुमान जी को चोला चढ़ाना, लाल चीज का दान, टमाटर का दान, गाजर का दान, अनार का दान, शक्कर चींटियों को डालना, लाल सूखी मिर्च जल प्रवाह करना, मूँगा जल प्रवाह करना, हनुमान जी को पान के पत्ते चढना। **नोट:- छोटे भाई या छोटे भाई तुल्य व्यक्ति से मधुर संबंध रखना, ख्याल रखने से मंगल देव प्रसन्न होते हैं।** मंगल देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ भुं भौमाय नमः अथवा ॐ अं अंगारकाय नमः)** **(संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो।** **कौन सो संकट मोर गरीब को ,जो तुमसे नहिं जात है तारो ॥)**
बुद्ध देव के उपाय: **(बुधवार को करना है)**	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ॐ गंग गणपतये नमः)**
शुक्र देव के उपाय: **(शुक्रवार को करना है)**	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।** हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ॐ शुं शुक्राय नमः)**
शनि देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ शं शनैश्चराय नमः)**

राहु देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ रां राहवे नम:)**
केतु देव के उपाय: **(मंगल, बुधवार को करना है)**	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊं कें केतवे नम:)**

नोट: अमावश्या के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान **(राहु के लिए)** तथा सरसों का तेल **(शनि देव के लिए)** तथा आँवला या अचार **(केतु के लिए)** का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं6।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो॥

ॐ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011325 Date: 21/04/2020

Rudransh Kaushik

18 Feb 1998 03:45 PM

Baghpat

Kiara Astrology Research Centre ®
Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

Rudransh Kaushik

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011325 Date: 21/04/2020

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **18/02/1998**
दिन	: बुधवार
जन्म समय	: **15:45:00 घंटे**
इष्ट	: 21:58:11 घटी
स्थान	: **Baghpat**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 28:56:00 उत्तर
रेखांश	: 77:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:21:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 15:23:56 घंटे
वेलान्तर	: -00:14:00 घंटे
साम्पातिक काल	: 01:16:38 घंटे
सूर्योदय	: 06:57:43 घंटे
सूर्यास्त	: 18:12:41 घंटे
दिनमान	: 11:14:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शिशिर
सूर्य के अंश	: 05:43:20 कुम्भ
लग्न के अंश	: 05:02:55 कर्क

चैत्रादि संवत / शक	: 2054 / 1919
मास	: फाल्गुन
पक्ष	: कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि	: 7
तिथि समाप्ति काल	: 08:09:58
जन्म तिथि	: 7
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: स्वाति
नक्षत्र समाप्ति काल	: 11:31:40 घंटे
जन्म नक्षत्र	: विशाखा
सूर्योदय कालीन योग	: वृद्धि
योग समाप्ति काल	: 13:35:36 घंटे
जन्म योग	: ध्रुव
सूर्योदय कालीन करण	: विष्टि
करण समाप्ति काल	: 19:13:55 घंटे
जन्म करण	: विष्टि
भयात	: 10:33:22
भभोग	: 65:55:18
भोग्य दशा काल	: गुरु 13 वर्ष 5 मा 15 दि

अवकहड I चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: कर्क – चन्द्र
राशि–स्वामी	: **तुला – शुक्र**
नक्षत्र–चरण	: **विशाखा – 1**
नक्षत्र स्वामी	: गुरु
योग	: ध्रुव
करण	: विष्टि
गण	: राक्षस
योनि	: व्याघ्र
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: सर्प
युँजा	: मध्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: ती–तीरथ
पाया(राशि–नक्षत्र)	: लौह – ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कुम्भ

IIत चक्र	
मास	: माघ
तिथि	: 4-9-14
दिन	: गुरुवार
नक्षत्र	: शतभिषा
योग	: शुक्ल
करण	: तैतिल
प्रहर	: 4
वर्ग	: गरूड़
लग्न	: कन्या
सूर्य	: कन्या
चन्द्र	: धनु
मंगल	: तुला
बुध	: कर्क
गुरु	: वृश्चिक
शुक्र	: धनु
शनि	: सिंह
राहु	: मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	05:02:55	306:57:39	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	–––
सूर्य			कुंभ	05:43:20	01:00:32	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	22:07:03	12:03:12	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल			कुंभ	25:03:57	00:46:56	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
बुध		अ	कुंभ	02:33:57	01:46:58	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	सम राशि
गुरु		अ	कुंभ	09:30:44	00:14:26	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
शुक्र			धनु	27:32:20	00:26:14	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	सम राशि
शनि			मीन	23:09:43	00:05:56	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	सम राशि
राहु			सिंह	16:45:33	00:00:37	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	16:45:33	00:00:37	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	16:03:41	00:03:21	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	–––
नेप			मक	06:54:20	00:02:03	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	–––
प्लूटो			वृश्चि	14:06:29	00:00:43	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	–––
दशम भाव			मीन	26:54:36	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	गुरु	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:47

लग्न–चलित

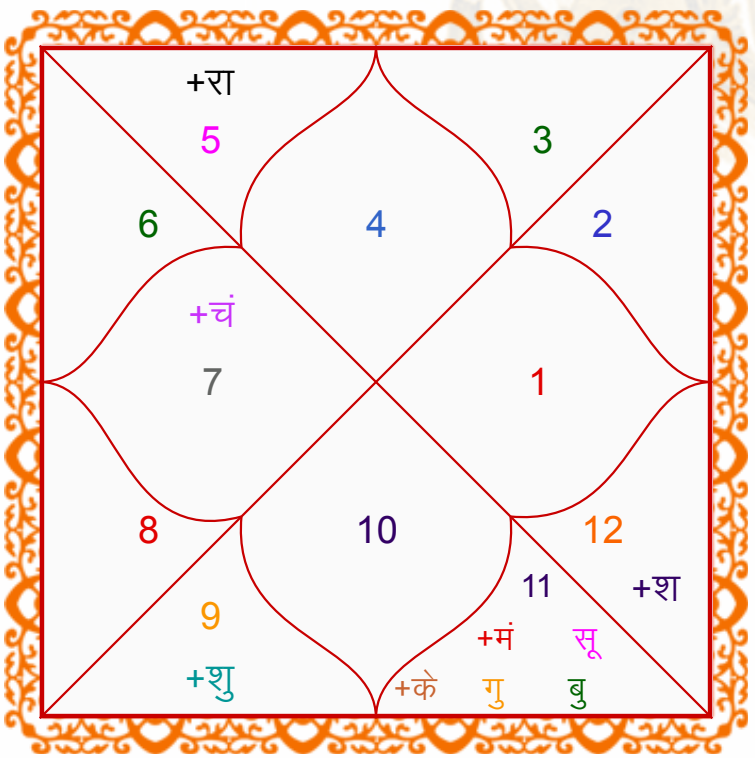

चन्द्र कुंडली

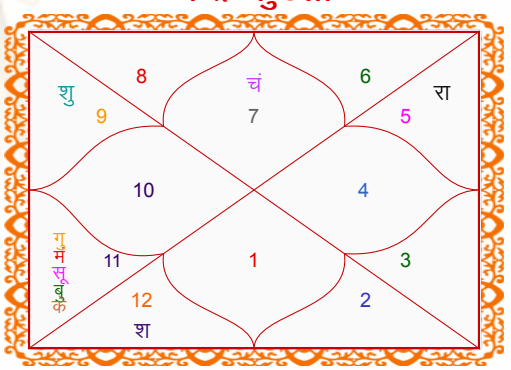

नवमांश कुंडली

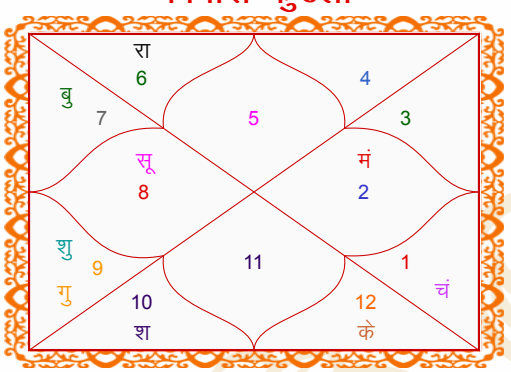

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	39	4	51	14	12	30	9
सप्तवर्गज बल	75	75	83	83	98	113	135
ओजयुग्मक बल	15	0	15	30	30	0	0
केन्द्र बल	30	60	30	30	30	15	15
द्रेष्काण बल	15	15	0	0	15	15	0
कुल स्थान बल	174	154	178	157	184	173	159
कुल दिग्बल	43	52	49	9	11	30	34
नतोन्नत बल	44	16	16	60	44	44	16
पक्ष बल	25	69	25	25	35	35	25
त्रिभाग बल	0	0	0	0	60	0	60
अब्द बल	0	0	0	0	15	0	0
मास बल	0	0	0	30	0	0	0
वार बल	0	0	0	45	0	0	0
होरा बल	0	60	0	0	0	0	0
अयन बल	30	52	24	47	17	2	21
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	99	196	66	207	170	81	123
कुल चेष्टाबल	0	0	8	9	3	46	43
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	11	-19	10	11	11	-9	8
कुल षट्बल	386	434	329	418	413	363	374
रूप षट्बल	6.4	7.2	5.5	7.0	6.9	6.0	6.2
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.3	1.2	1.1	1.0	1.1	1.1	1.2
संबंधित पद	1	3	5	7	6	4	2

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	27.67	11.19	20.22	11.44	5.46	37.31	19.51
कष्ट फल	29.33	37.89	21.65	48.24	52.76	20.34	29.83

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	434	386	386	418	363	413	374	374	374	413	329	418
भावदिग्बल	30	20	10	30	20	10	30	10	20	0	50	50
भावदृष्टि बल	44	96	74	35	45	-5	-7	11	10	31	83	37
कुल भाव बल	508	502	470	483	427	419	398	395	404	445	462	505
रूप भाव बल	8.5	8.4	7.8	8.1	7.1	7.0	6.6	6.6	6.7	7.4	7.7	8.4
संबंधित पद	1	3	5	4	8	9	11	12	10	7	6	2

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

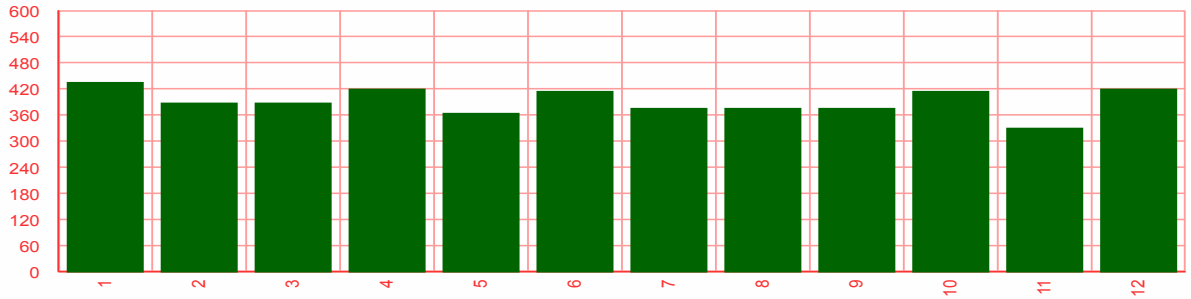

भावदिग्बल

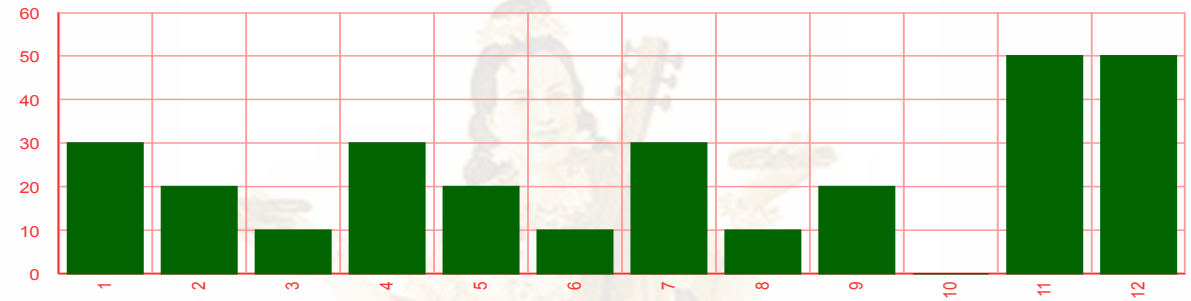

भावदृष्टि बल

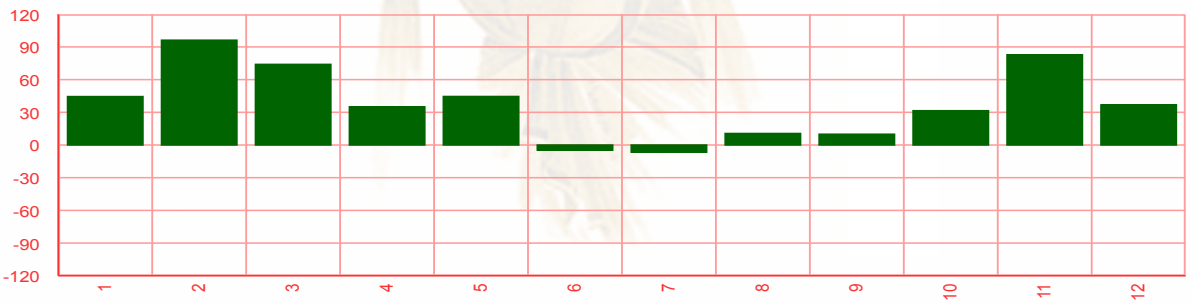

भाव बल

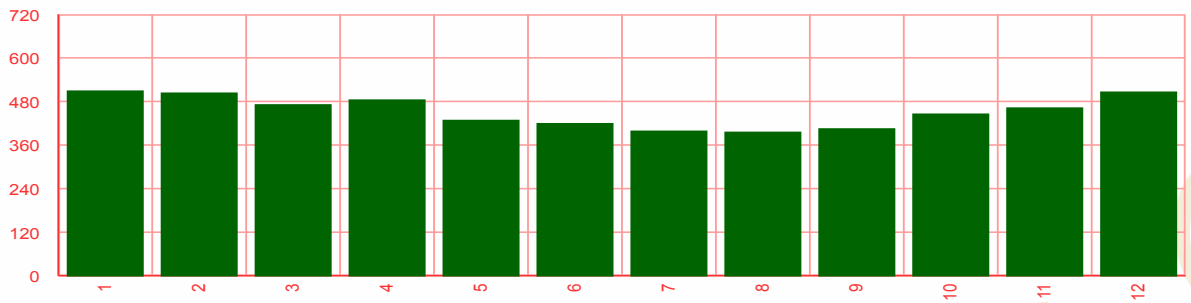

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 13 वर्ष 5 मास 15 दिन

गुरु 16 वर्ष	
18/02/1998	
05/08/2011	
	18/02/1998
शनि	05/04/2000
बुध	11/07/2002
केतु	17/06/2003
शुक्र	15/02/2006
सूर्य	05/12/2006
चंद्र	05/04/2008
मंगल	11/03/2009
राहु	05/08/2011

शनि 19 वर्ष	
05/08/2011	
05/08/2030	
शनि	08/08/2014
बुध	17/04/2017
केतु	27/05/2018
शुक्र	26/07/2021
सूर्य	08/07/2022
चंद्र	07/02/2024
मंगल	18/03/2025
राहु	22/01/2028
गुरु	05/08/2030

बुध 17 वर्ष	
05/08/2030	
05/08/2047	
बुध	31/12/2032
केतु	29/12/2033
शुक्र	29/10/2036
सूर्य	04/09/2037
चंद्र	03/02/2039
मंगल	01/02/2040
राहु	20/08/2042
गुरु	25/11/2044
शनि	05/08/2047

केतु 7 वर्ष	
05/08/2047	
05/08/2054	
केतु	01/01/2048
शुक्र	02/03/2049
सूर्य	08/07/2049
चंद्र	06/02/2050
मंगल	05/07/2050
राहु	24/07/2051
गुरु	29/06/2052
शनि	08/08/2053
बुध	05/08/2054

शुक्र 20 वर्ष	
05/08/2054	
05/08/2074	
शुक्र	04/12/2057
सूर्य	05/12/2058
चंद्र	04/08/2060
मंगल	04/10/2061
राहु	04/10/2064
गुरु	05/06/2067
शनि	05/08/2070
बुध	05/06/2073
केतु	05/08/2074

सूर्य 6 वर्ष	
05/08/2074	
04/08/2080	
सूर्य	22/11/2074
चंद्र	24/05/2075
मंगल	29/09/2075
राहु	23/08/2076
गुरु	11/06/2077
शनि	24/05/2078
बुध	30/03/2079
केतु	05/08/2079
शुक्र	04/08/2080

चंद्र 10 वर्ष	
04/08/2080	
05/08/2090	
चंद्र	05/06/2081
मंगल	04/01/2082
राहु	06/07/2083
गुरु	04/11/2084
शनि	05/06/2086
बुध	04/11/2087
केतु	04/06/2088
शुक्र	03/02/2090
सूर्य	05/08/2090

मंगल 7 वर्ष	
05/08/2090	
05/08/2097	
मंगल	01/01/2091
राहु	19/01/2092
गुरु	25/12/2092
शनि	03/02/2094
बुध	31/01/2095
केतु	30/06/2095
शुक्र	29/08/2096
सूर्य	03/01/2097
चंद्र	05/08/2097

राहु 18 वर्ष	
05/08/2097	
06/08/2115	
राहु	18/04/2100
गुरु	11/09/2102
शनि	18/07/2105
बुध	05/02/2108
केतु	22/02/2109
शुक्र	23/02/2112
सूर्य	17/01/2113
चंद्र	19/07/2114
मंगल	06/08/2115

गुरु 16 वर्ष	
06/08/2115	
00/00/0000	
गुरु	23/09/2117
शनि	19/02/2118
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 13 वर्ष 5 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - शुक्र	
27/05/2018	
26/07/2021	
शुक्र	06/12/2018
सूर्य	01/02/2019
चंद्र	09/05/2019
मंगल	15/07/2019
राहु	05/01/2020
गुरु	07/06/2020
शनि	07/12/2020
बुध	20/05/2021
केतु	26/07/2021

शनि - सूर्य	
26/07/2021	
08/07/2022	
सूर्य	13/08/2021
चंद्र	11/09/2021
मंगल	01/10/2021
राहु	22/11/2021
गुरु	07/01/2022
शनि	03/03/2022
बुध	21/04/2022
केतु	12/05/2022
शुक्र	08/07/2022

शनि - चंद्र	
08/07/2022	
07/02/2024	
चंद्र	26/08/2022
मंगल	28/09/2022
राहु	24/12/2022
गुरु	11/03/2023
शनि	11/06/2023
बुध	01/09/2023
केतु	04/10/2023
शुक्र	09/01/2024
सूर्य	07/02/2024

शनि - मंगल	
07/02/2024	
18/03/2025	
मंगल	01/03/2024
राहु	01/05/2024
गुरु	24/06/2024
शनि	27/08/2024
बुध	23/10/2024
केतु	16/11/2024
शुक्र	23/01/2025
सूर्य	12/02/2025
चंद्र	18/03/2025

शनि - राहु	
18/03/2025	
22/01/2028	
राहु	21/08/2025
गुरु	06/01/2026
शनि	20/06/2026
बुध	15/11/2026
केतु	14/01/2027
शुक्र	07/07/2027
सूर्य	28/08/2027
चंद्र	23/11/2027
मंगल	22/01/2028

शनि - गुरु	
22/01/2028	
05/08/2030	
गुरु	25/05/2028
शनि	18/10/2028
बुध	26/02/2029
केतु	21/04/2029
शुक्र	23/09/2029
सूर्य	08/11/2029
चंद्र	24/01/2030
मंगल	19/03/2030
राहु	05/08/2030

बुध - बुध	
05/08/2030	
31/12/2032	
बुध	07/12/2030
केतु	28/01/2031
शुक्र	23/06/2031
सूर्य	06/08/2031
चंद्र	19/10/2031
मंगल	09/12/2031
राहु	19/04/2032
गुरु	14/08/2032
शनि	31/12/2032

बुध - केतु	
31/12/2032	
29/12/2033	
केतु	22/01/2033
शुक्र	23/03/2033
सूर्य	10/04/2033
चंद्र	10/05/2033
मंगल	31/05/2033
राहु	25/07/2033
गुरु	11/09/2033
शनि	07/11/2033
बुध	29/12/2033

बुध - शुक्र	
29/12/2033	
29/10/2036	
शुक्र	19/06/2034
सूर्य	10/08/2034
चंद्र	04/11/2034
मंगल	03/01/2035
राहु	08/06/2035
गुरु	24/10/2035
शनि	05/04/2036
बुध	29/08/2036
केतु	29/10/2036

बुध - सूर्य	
29/10/2036	
04/09/2037	
सूर्य	13/11/2036
चंद्र	09/12/2036
मंगल	27/12/2036
राहु	12/02/2037
गुरु	25/03/2037
शनि	13/05/2037
बुध	26/06/2037
केतु	14/07/2037
शुक्र	04/09/2037

बुध - चंद्र	
04/09/2037	
03/02/2039	
चंद्र	17/10/2037
मंगल	16/11/2037
राहु	02/02/2038
गुरु	12/04/2038
शनि	03/07/2038
बुध	14/09/2038
केतु	14/10/2038
शुक्र	09/01/2039
सूर्य	03/02/2039

बुध - मंगल	
03/02/2039	
01/02/2040	
मंगल	25/02/2039
राहु	20/04/2039
गुरु	07/06/2039
शनि	04/08/2039
बुध	24/09/2039
केतु	15/10/2039
शुक्र	14/12/2039
सूर्य	01/01/2040
चंद्र	01/02/2040

बुध - राहु	
01/02/2040	
20/08/2042	
राहु	19/06/2040
गुरु	22/10/2040
शनि	18/03/2041
बुध	28/07/2041
केतु	20/09/2041
शुक्र	22/02/2042
सूर्य	10/04/2042
चंद्र	27/06/2042
मंगल	20/08/2042

बुध - गुरु	
20/08/2042	
25/11/2044	
गुरु	08/12/2042
शनि	18/04/2043
बुध	14/08/2043
केतु	01/10/2043
शुक्र	16/02/2044
सूर्य	28/03/2044
चंद्र	05/06/2044
मंगल	24/07/2044
राहु	25/11/2044

बुध - शनि	
25/11/2044	
05/08/2047	
शनि	30/04/2045
बुध	16/09/2045
केतु	12/11/2045
शुक्र	25/04/2046
सूर्य	13/06/2046
चंद्र	03/09/2046
मंगल	30/10/2046
राहु	27/03/2047
गुरु	05/08/2047

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

केतु - केतु	
05/08/2047	
01/01/2048	
केतु	14/08/2047
शुक्र	08/09/2047
सूर्य	15/09/2047
चंद्र	27/09/2047
मंगल	06/10/2047
राहु	29/10/2047
गुरु	17/11/2047
शनि	11/12/2047
बुध	01/01/2048

केतु - शुक्र	
01/01/2048	
02/03/2049	
शुक्र	12/03/2048
सूर्य	03/04/2048
चंद्र	08/05/2048
मंगल	02/06/2048
राहु	05/08/2048
गुरु	01/10/2048
शनि	07/12/2048
बुध	05/02/2049
केतु	02/03/2049

केतु - सूर्य	
02/03/2049	
08/07/2049	
सूर्य	09/03/2049
चंद्र	19/03/2049
मंगल	27/03/2049
राहु	15/04/2049
गुरु	02/05/2049
शनि	22/05/2049
बुध	09/06/2049
केतु	17/06/2049
शुक्र	08/07/2049

केतु - चंद्र	
08/07/2049	
06/02/2050	
चंद्र	26/07/2049
मंगल	07/08/2049
राहु	08/09/2049
गुरु	07/10/2049
शनि	09/11/2049
बुध	10/12/2049
केतु	22/12/2049
शुक्र	27/01/2050
सूर्य	06/02/2050

केतु - मंगल	
06/02/2050	
05/07/2050	
मंगल	15/02/2050
राहु	09/03/2050
गुरु	29/03/2050
शनि	22/04/2050
बुध	13/05/2050
केतु	22/05/2050
शुक्र	15/06/2050
सूर्य	23/06/2050
चंद्र	05/07/2050

केतु - राहु	
05/07/2050	
24/07/2051	
राहु	01/09/2050
गुरु	22/10/2050
शनि	22/12/2050
बुध	14/02/2051
केतु	08/03/2051
शुक्र	11/05/2051
सूर्य	31/05/2051
चंद्र	01/07/2051
मंगल	24/07/2051

केतु - गुरु	
24/07/2051	
29/06/2052	
गुरु	07/09/2051
शनि	31/10/2051
बुध	19/12/2051
केतु	07/01/2052
शुक्र	04/03/2052
सूर्य	21/03/2052
चंद्र	19/04/2052
मंगल	09/05/2052
राहु	29/06/2052

केतु - शनि	
29/06/2052	
08/08/2053	
शनि	01/09/2052
बुध	28/10/2052
केतु	21/11/2052
शुक्र	27/01/2053
सूर्य	17/02/2053
चंद्र	22/03/2053
मंगल	15/04/2053
राहु	15/06/2053
गुरु	08/08/2053

केतु - बुध	
08/08/2053	
05/08/2054	
बुध	28/09/2053
केतु	19/10/2053
शुक्र	18/12/2053
सूर्य	05/01/2054
चंद्र	05/02/2054
मंगल	26/02/2054
राहु	21/04/2054
गुरु	08/06/2054
शनि	05/08/2054

शुक्र - शुक्र	
05/08/2054	
04/12/2057	
शुक्र	24/02/2055
सूर्य	26/04/2055
चंद्र	05/08/2055
मंगल	15/10/2055
राहु	15/04/2056
गुरु	24/09/2056
शनि	05/04/2057
बुध	24/09/2057
केतु	04/12/2057

शुक्र - सूर्य	
04/12/2057	
05/12/2058	
सूर्य	23/12/2057
चंद्र	22/01/2058
मंगल	12/02/2058
राहु	08/04/2058
गुरु	27/05/2058
शनि	24/07/2058
बुध	13/09/2058
केतु	05/10/2058
शुक्र	05/12/2058

शुक्र - चंद्र	
05/12/2058	
04/08/2060	
चंद्र	24/01/2059
मंगल	01/03/2059
राहु	31/05/2059
गुरु	20/08/2059
शनि	25/11/2059
बुध	19/02/2060
केतु	25/03/2060
शुक्र	05/07/2060
सूर्य	04/08/2060

शुक्र - मंगल	
04/08/2060	
04/10/2061	
मंगल	29/08/2060
राहु	01/11/2060
गुरु	28/12/2060
शनि	05/03/2061
बुध	05/05/2061
केतु	30/05/2061
शुक्र	09/08/2061
सूर्य	30/08/2061
चंद्र	04/10/2061

शुक्र - राहु	
04/10/2061	
04/10/2064	
राहु	18/03/2062
गुरु	11/08/2062
शनि	31/01/2063
बुध	06/07/2063
केतु	08/09/2063
शुक्र	08/03/2064
सूर्य	02/05/2064
चंद्र	01/08/2064
मंगल	04/10/2064

शुक्र - गुरु	
04/10/2064	
05/06/2067	
गुरु	11/02/2065
शनि	15/07/2065
बुध	30/11/2065
केतु	26/01/2066
शुक्र	07/07/2066
सूर्य	25/08/2066
चंद्र	14/11/2066
मंगल	10/01/2067
राहु	05/06/2067